CHOITHRAM SCHOOL, MANIK BAGH, INDORE

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2017 – 2018

CLASS: **Xth**

SUBJECT: HINDI

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities &Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	**Behavioural (Application based)**			
अक्तूबर (17)	मनुष्यता	**विशिष्ट उद्देश्य–** 1–कविता का गायन भावानुसार करना सिखाना। 2–कविता का गद्य रूपांतरण करना सिखाना। 3–कविता के भाव को आत्मसात् करने की प्रेरणा। 4–कविता के संदेश का लेखन एवं अभिव्यक्ति (बोलना)। 5–अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास। 6–कविता कथन–मूल्यों पर आधारित सिखाना। 7–कविता में आए नए शब्दों का अर्थ लिखना सिखाना। 8–कविता की प्रमुख पंक्तियों का भाव स्पष्ट करना सिखाना। 9–आत्मविश्वास के साथ कविता का प्रस्तुतीकरण करना सिखाना।	**व्यवहारिक उद्देश्य–** 1–मानवता का संदेश देना। 2–जीवन में मूल्यों की अहम भूमिका को समझना। 3–वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का संचार। 4–संवेदनशील बनाना। 5–आशावादी बनना सिखाना। 6–ईश्वर की सत्ता में विश्वास करना सिखाना। 7–मनुष्य जीवन की सार्थकता का ज्ञान कराना।	**प्रश्न–** ● धन कमाने का उद्देश्य क्या है ? ऐशो–आराम का जीवन व्यतीत करना या परोपकार हेतु सोचना। **(आप किसे सही मानते हैं और क्यों)** ● कभी आपने माँगने वाले बच्चों को देखा, आपके मन में क्या विचार आए ? आपने क्या किया ? ● आपका मित्र बीमार है, उसकी पंद्रह दिन की पढाई छूट गई और उसके घर में कोई नहीं है जो उसकी मदद करे और आपके पास भी समय नहीं है फिर भी आपने अपनी कोचिंग छोड़कर उसकी मदद की। इस प्रकार मदद करते हुए आपको कैसा लगा ? इस प्रकार के संवादों से उनमें संवेदनशीलता के भाव जागृत किए जाएँगे। ● कविता का वाचन शिक्षक के द्वारा, बच्चों के द्वारा। बच्चो ने जो समझा है उसके आधार पर वे कविता का अर्थ स्पष्ट करेंगे। तदुपरांत शिक्षक के द्वारा विस्तार से अर्थ समझाया जाएगा एवं प्रश्न भी किए जाएँगे। ● मनुष्य का जीवन कब सार्थक है ? ● महापुरुषों की कथाएँ हमेशा लागों को प्रेरणा देती हैं।	● बच्चे संवेदनशील बने। ● स्वजागरुक हुए। प्रश्नों के उत्तर देना सीखा। ● जीवन में मूल्यों की अनिवार्यता समझे। ● अर्थ ग्रहण कर उसे लिखना सीखा। ● महत्त्वपूर्ण पात्रों के जीवन से प्रेरणा लेना सीखा। ● मनुष्य जीवन कब सार्थक है इस बात को जाना। ● कविता के भावों को आत्मसात करना सीखा। ● स्वयं के भावों को आत्मविश्वास के साथ प्रकट करना सीखा। ● चिन्तन, मनन करना सीखा। ● आवाज के उतार–चढ़ाव और हाव–भाव के साथ कविता का गायन	कविता, संवाद एवं अनुच्छेद

			8–महत्त्वपूर्ण पात्रों के जीवन से सीख लेना सिखाना। 9–जीवन में त्याग, दया, परोपकार, क्षमा, प्रेम, भाईचारा आदि के महत्त्व को समझाना। 10–स्वजागरूक बनना। 11–चितन करना सिखाना। 12–कर्त्तव्यबोध की भावना विकसित करना सिखाना। 13–एकता के महत्त्व को समझना।	कैसे ? ● हमें अहंकार नहीं करना चाहिए। क्यों ? ● व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करना चाहिए ? **(आदर्श प्रश्न –Bloom's Taxonomy Based)** **गतिविधि –(1)** 1–उदार व्यक्ति की पहचान कैसे होती है ? **(अवबोध)** 2–कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है ? **(विश्लेषण)** 3–वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे। क्या कवि की इस बात से आप सहमत हैं ? तर्क सहित अपनी बात स्पष्ट करें। **(अवबोध)** 4–कवि ने दधीचि, कर्ण और महान् व्यक्तियों का उदाहरण देकर 'मनुष्यता' के लिए क्या संदेश दिया है ? **(अवबोध)** **गतिविधि –(2)** विवेकानन्द, कैलाश सत्यार्थी, मदर टेरेसा, गांधीजी एवं लता मंगेशकर, मलाला जैसे व्यक्तित्व की कोई पाँच बातें बताइए जिनसे आप प्रभावित हुए। इनमें से कौन–से गुण को आप अपने जीवन में उतारना चाहेंगे और क्यों ? **(श्रवण)** **मूल्यों पर आधारित कहानी सुनाना –** सत्य, अहिंसा, दया, प्रेम, त्याग, क्षमा, परोपकार आदि। **गतिविधि –(3)** ●मानवता ही सर्वश्रेष्ठ धर्म है। इस विषय पर दो मित्रों के बीच हुए संवाद को लिखिए। ●'मनुष्यता' कविता के माध्यम से आप क्या संदेश देना चाहेंगे ? पाँच पंक्तिया में अपने विचार स्पष्ट करें। ●वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरें। **(अनुच्छेद लेखन)** **गतिविधि –(4) कविता का गद्य रूपान्तरण करें।** विभिन्न उदाहरण दिए जाएँगे और हल करवाएँ जाएँगे।	करना सीखा। ● मूल्यों पर आधारित कहानी सुनाना, कविता सुनाना सीखा। ● दूसरों की बात को एकाग्रता से श्रवण करना सीखा।	

	मुहावरों का प्रयोग समास संवाद लेखन, ,विज्ञापन वाक्य	स्वयं करके सिखो **उद्देश्य**– शुद्ध लिखना , बोलना , पढ़ना , सिखाना , **कौशल** – बोलना , सुनना व लिखना	रचनात्मकता का विकास करके सीखेंगे आत्मविश्वास बढ़ेगा चिंतन कौशल का विकास निर्णय लेने की क्षमता वाक्यों का सही प्रयोग मुहावरों का सही प्रयोग करना तथा भाषा के सौंदर्य में वृद्धि को समझ सकेंगे	विभिन्न उदाहरण दिए जाएँगें। स्वयं करके सीखेंगे।	सृजनात्मकता क्रियात्मकता बढ़ेगी विचारशील बनेंगे भाषागत बारीकियों को समझ पाएँगे	
नवंबर (23)	**अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले**	**विशिष्ट उद्देश्य–** 1–सही विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सिखाना। 2–कठिन शब्दों के अर्थ को समझना। 3–प्रतीकात्मक रुप में कही गई पंक्तियों का अर्थ ग्रहण करना। 4–अपने विचार प्रकट करना सिखाना। 5–स्वयं के शब्द भण्डार में वृद्धि कराना। 6–एकाग्रता से सुनना। 7–उर्दु शब्द के सौन्दर्य को बताना। 8–अपनी बातों की सटीक एवं तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति करना सिखाना।	**व्यवहारिक उद्देश्य–** 1–संवेदनशील बनाना। 2–समस्या समाधान निकालना सिखाना। 3–चिन्तन और मंथन करना सिखाना। 4–स्वजागरूक बनना। 5–सभी जीवों के	पीपीटी के माध्यम से गुरुकुल शिक्षा प्रणाली, वृक्षारोपण एवं उनकी देखभाल करना, छोटे जीव–जन्तुओं के प्रति प्रेम, पशु–पक्षी एवं प्राकृतिक सौन्दर्य को दिखाया जाएगा। **प्राचीन समय में** | **वर्तमान समय में** वृक्षों की पूजा की जाती थी। | निर्ममता से वृक्ष काटे जा रहे हैं। चीटियों को खाना देना अच्छा माना जाता था। | अब मतलब नहीं है। पक्षियों को दाना–पानी डाला जाता था। | अब समाचार–पत्रों के माध्यम से अपील की जाती है लेकिन नतीजा नही के बराबर।	**अधिगम उद्देश्य–** 1–सही विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सीखा। 2–कठिन शब्दों के अर्थ को समझना सीखा। 3–प्रतीकात्मक रुप में कही गई पंक्तियों का अर्थ ग्रहण करना सीखा। 4–अपने विचार प्रकट करना सीखा। 5–स्वयं के शब्द भण्डार में वृद्धि हुई। 6–एकाग्रता से सुनना सीखा। 7–उर्दु शब्द के सौन्दर्य को जाना। 8–अपनी बातों की सटीक एवं तर्कपूर्ण	कविता, स्लोगन, नारे एवं संवाद एवं अनुच्छेद

		9–अर्थ बोध एवं ग्राह्य क्षमता बढ़ाना।	प्रति दया प्रेम के भाव जाग्रत करना सिखाना। 6–धरती की सुरक्षा के लिए लगातार प्रयास करना। 7–प्रेरणास्पद व्यक्तियों से सीख लेना।	**परिणाम–** हम संवेदनहीन हो चले हैं। प्रदुषण बढ़ रहा है। बीमारियाँ बढ़ रही हैं। स्व–नियंत्रण नहीं हैं। भौतिकता की ओर दौड़ रहे हैं। थोड़ी सी बात पर मारपीट करने को तैयार हो जाते हैं आदि। **ये परिणाम बच्चों से भी पूछे जा सकते हैं।** **गतिविधि –(1)** 1–धरती बचाओ कविता और नारे। 2–पशु–पक्षियों की व्यथा। 3–पाठ का वाचन बच्चों के द्वारा। 4–कठिन शब्दों के अर्थ पूछे जाएँगे एवं समझाया जाएगा। **(आदर्श प्रश्न –Bloom's Taxonomy Based)** **गतिविधि –(2)** प्रश्न –**1** बड़े–बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों ढकेल रहे है ? (ज्ञानाधारित) प्रश्न –**2** बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ? (अवबोध) प्रश्न –**3** मिट्टी से मिट्टी मिले खो के सभी निशान, किसमें कितना कौन है कैसे हो पहचान ? इन पंक्तियों के माध्यम स`लेखक क्या कहना चाहते हैं ? स्पष्ट कीजिए। (अवबोध) प्रश्न –**4** लेखक ने पाठ के माध्यम से कौन–कौन–सी समस्या को बताने का प्रयास किया है ? (विश्लेषण) **गतिविधि –(3)**	अभिव्यक्ति करना सीखा। 9–अर्थ बोध एवं ग्राह्य क्षमता बढ़ी। 10–संवेदनशील बने। 11–समस्या समाधान निकालना सीखा। 12–चिन्तन और मंथन करना सीखा। 13–स्वजागरूक बने। 14–सभी जीवों के प्रति दया प्रेम के भाव रखना सीखा। 15–धरती की सुरक्षा के लिए लगातार प्रयास करना सीखा। 16–प्रेरणास्पद व्यक्तियों से सीख जीवन में उतारना सीखा।	

<table>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>● प्रकृति बचाओ। लुप्त होती पशु–पक्षियों की प्रजाति को बचाने हेतु नारे, स्लोगन एवं पोस्टर बनवाए जाएँगे।
● अनुच्छेद लेखन – हरियाली होगी जब, जीवन होगा तब।
● सूचना – वृक्षारोपण।

गतिविधि –(4)

लेखक के द्वारा रखा गया पाठ का शीर्षक 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' से क्या आप सहमत हैं ? अपने विचार स्पष्ट करें।</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>नवम्बर 23</td>
<td>गिरगिट</td>
<td>विशिष्ट उद्देश्य –
कहानी –किस्से विधा में बच्चों की रुचि बढ़ाना।
कल्पनाशीलता का विकास करना।
कहानी में आए कठिन व सांकेतिक शब्दों के अर्थ से बच्चों को परिचित कराना जैसे–काठगोदाम, झरबेरियाँ, किकियाना, बारजोयस, खँखारते, पेचीदा एवं अन्य कई।
ध्यानपूर्वक सुनने की कला को विकसित करना।
ग्राह्य क्षमता का विकास करना।
प्रभावी संप्रेषण।
आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण संवाद अदायगी का अभ्यास कराना।
कहानी में हास्य के पुट का आनंद लेना सिखाना।</td>
<td>व्यावहारिक उद्देश्य–
निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना।
चिंतन कौशल का विकास करना।
संवेदनशीलता को बढ़ाना।
कहानी के विभिन्न पात्रों की विशेषताओं से अवगत कराना।
गिरगिट एवं कुछ मनुष्यों के स्वभाव की समानताएँ समझाना।
हर समय केवल</td>
<td><u>गतिविधि (1)</u> कुछ बच्चों को कहानी का एक–एक पात्र बनाना व प्रभावी अंदाज़ में मजे–मजे से संवाद पढ़ाना व बाकी बच्चों द्वारा सुनना।

<u>गतिविधि (2)</u> तत्पश्चात एक बच्चे द्वारा श्यामपट पर विभिन्न पात्रों के नाम लिखकर उनकी विशेषताओं को बिंदुवार विशेषण देकर लिखते जाना जैसे– इंस्पेक्टर ओचुमेलाव , उसका सिपाही , सामान्य आदमी , बावर्ची आदि। उदाहरण–

<table>
<tr><th>क्रमांक</th><th>पात्र</th><th>विशेषताएँ (अपेक्षित उत्तर)</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>इंस्पेक्टर ओचुमेलाव</td><td>अवसरवादी, चापलूस, झ्ठा, नाटकीय, तारीफपसंद,</td></tr>
</table>
</td>
<td>कहानी–किस्से विधा म बच्चों की रुचि बढ़ी।
कल्पनाशीलता का विकास हुआ।
कहानी में आए कठिन व सांकेतिक शब्दों के अर्थ से बच्चे परिचित हुए।
ध्यानपूर्वक सुनने की कला विकसित हुई।
ग्राह्य क्षमता का विकास हुआ।
आवाज के उतार–चढ़ाव एवं हाव–भाव के साथ प्रभावपूर्ण संवाद अदायगी का अच्छा अभ्यास हुआ।
कहानी में हास्य के पुट का आनंद लेना सीखा।
निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ।
चिंतन कौशल का विकास हुआ।
संवेदनशीलता बढ़ी।
कहानी के विभिन्न पात्रों की</td>
<td><u>अनुच्छेद</u>
व्यंग्य रचना, प्रश्नावली, पत्र एवं स्व–अनुभव सुनाना</td>
</tr>
</table>

			अपना स्वार्थ सोचना गलत है–यह समझाना। सामान्य व्यक्ति की मजबूरी को समझाना। भीड़ की मानसिकता के बारे में बताना। उच्च पद पर बैठे अपने रिश्तेदारों का फायदा उठाना उचित या अनुचित–इसका निर्णय लेने में सक्षम बनाना।	<table><tr><td></td><td></td><td>**बहुत स्वार्थी**</td></tr><tr><td>**2.**</td><td>**उसका सिपाही**</td><td>**चापलूस, झूठा, स्वार्थी**</td></tr><tr><td>**3.**</td><td>**सामान्य आदमी–ख्यूक्रिन**</td><td>**मजबूर, सच्चा, परेशान, जरूरतमंद, गुहार लगानेवाला**</td></tr><tr><td>**4.**</td><td>**बावर्ची**</td><td>**भ्रमित, स्पष्टवक्ता**</td></tr><tr><td>**5.**</td><td>**भीड़**</td><td>**तमाशबीन, कोई स्पष्ट राय नहीं, भ्रमित करनेवाली**</td></tr></table> ***गतिविधि (3)*** **आपसी प्रश्नोत्तर गतिविधि (** पाठ के आदर्श वाचन के समय बीच–बीच में पूछे जाने वाले प्रश्नोत्तर **)** **(आदर्श प्रश्न –bloom's taxonomy based)** **प्रश्नोत्तर**– 1. काठगोदाम के पास भीड़ क्यों इकट्ठी हो गई थी ? (ज्ञानाधारित) 2. गिरगिट कहानी के माध्यम से समाज की किस सच्चाई को उजागर किया गया है ? (विश्लेषण) 3. ओचुमेलाव के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। (मूल्यांकन) ***गतिविधि (4)*** पक्ष–विपक्ष में तार्किक लेखन– '' अवसर के अनुसार व्यावहारिकता का सहारा लेना आप कहाँ तक उचित समझते हैं ?'' ***गतिविधि (5)*** व्यंग्य रचना सुनाना–समाचार पत्रों में ''	विशेषताओं से अवगत हुए। गिरगिट एवं कुछ मनुष्यों के स्वभाव की समानताएँ समझी। हर समय केवल अपना स्वार्थ सोचना गलत है–यह समझने में सक्षम हुए। भीड़ की मानसिकता के बारे में जाना। उच्च पद पर बैठे अपने रिश्तेदारों का फायदा उठाना उचित या अनुचित–इसका निर्णय लेने में सक्षम हुए।	

				अधबीच '' या अन्य व्यंग्य आधारित कॉलम नियमित आते हैं। उन्हें कक्षा में लाकर सुनाइए। विषय– पुलिस व्यवस्था, मेडिकल सुविधाएँ, राजनीति या सरकारी विभाग आदि। ***गतिविधि (6)*** स्वअनुभव सुनाना –क्या आपने प्रत्यक्ष कभी किसी मामले में *भीड़ की मानसिकता* का अनुभव किया है ? उदाहरण देकर सुनाइए। (जैसे–दुर्घटना, लड़ाई–झगड़ा, जुलूस, ट्रैफिक जाम, बस यात्रा, बारात आदि) ***गतिविधि (7)*** अनुच्छेद लेखन– '' दुनिया स्वार्थ पर नहीं मनुष्यता पर टिकी है '' ***गतिविधि (8)*** पाठ आधरित प्रश्न–(पत्र लेखन)आपके मोहल्ले में लावारिस / आवारा कुत्तों की संख्या बहुत ज़्यादा हो गई है, जिससे आने–जाने वाले लोगों को असुविधा होती है। अतः सबकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम अधिकारी को एक पत्र लिखिए।		
	बिहारी के दोहे	**विशिष्ट उद्देश्य–** 1–दोहा छंद से परिचय 2–बिहारी की भाषा की विशेषताओं का परिचय 3–दोहों का संकलन 4–अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास। 5–एकाग्रता से सुनना। 6–कविता, संवाद एवं अनुच्छेद लेखन का अभ्यास करवाना।	**व्यवाहारिक उद्देश्य–** 1–रसानुभूति/आनंदानुभूति 2–प्रकृति के रहस्य से परिचित होना 3–आडम्बर हीन जीवन जीने की प्रेरणा	**गतिविधि–(1)** बिहारी के दोहें का सस्वर समूह गायन **गतिविधि–(2)** कक्षा में बिहारी कवि के जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा। **गतिविधि–(3) क**क्षा में दोहों की भाषा की विशेषताओं पर चर्चा एवं सरल अर्थ हेतु बच्चों द्वारा समूह में प्रयास। दोहों के शब्दार्थ, व्याख्या, दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरण, तथा चर्चा , पत्र एवं संवाद लेखन।	1–दोहा छंद से परिचित हुए। 2–बिहारी की भाषा की विशेषताओं से परिचित हुए। 3–दोहों का संकलन करना सीखा। 4–अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास हुआ। 5–एकाग्रता से सुनना सीखा। 6–कविता, संवाद एवं अनुच्छेद लेखन का अभ्यास किया।	अनुच्छेद एवं संवाद लेखन।

		7–कम शब्दों में,संकेत के माध्यम से अपनी बात कहने की कला का विकास करना	4–स्वजागरुकता एवं सकारात्मक चिंतन का विकास करना। 5–चिंतन कौशल विकसित करना। 6–तार्किकता,विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करना।		7–कम शब्दों में,संकेत के माध्यम से अपनी बात कहने की कला का विकास हुआ। 8–रसानुभूति/आनंदानुभूति 9–प्रकृति के रहस्य से परिचित हुए। 10–आडम्बर हीन जीवन जीने की प्रेरणा मिली। 11–स्वजागरुकता एवं सकारात्मक चिंतन का विकास हुआ। 12–चिंतन कौशल विकसित हुआ। 13–तार्किकता, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित हुई।	
दिसंबर (22)	**आत्मत्राण**	**विशिष्ट उद्देश्य–** काव्य विधा की जानकारी देना। ग्राह्य क्षमता विकसित करना। कविता लिखने हेतु प्रेरित करना। अनुच्छेद लेखन	**व्यवाहारिक उद्देश्य–** विपदा से भयभीत न होना। समरसता साहसी,सहनशील बनाना। संघर्षशील बनाना। आत्मनिर्भर बनाना। भावना प्रबंधन। हानि को क्षय न मानना। दुख के समय भी ईश्वर पर शंका न करना। सुख में ईश्वर को याद रखना। चिंतन कौशल विश्लेषण कौशल विकसित करना।	**गतिविधि–(1)** इतनी शक्ति हमें देना दाता .... प्रार्थना का **सस्वर समूह गायन** एवं अर्थ बच्चों द्वारा। प्रश्न–सामान्यरूप से आप ईश्वर से क्या प्रार्थना करते हैं ? शिक्षक लय–प्रवाह के साथ, आत्मत्राण कविता पाठ करेंगे। **गतिविधि–(2)** जिसे सुनकर व्याख्या हेतु बच्चों द्वारा समूह में प्रयास। आवश्यकतानुसार शिक्षिका द्वारा जीवन से जुड़े उदाहरणों द्वारा व्याख्या एवं चर्चा। **गतिविधि–(3)** ब्लूम्स प्रश्नावली के आधार पर पाठ के बीच में कुछ प्रश्न एवं चर्चा । 1–कवि किससे और क्या कह रहे हैं ? (अवबोध) 2– आपके अनुसार दुख पर जय करने से कवि का क्या तात्पर्य है ?(अवबोध) 3–आपके अनुसार दुख पर जय करने से कवि के	**अधिगम–उपलब्धि–** काव्य विधा से परिचित हुए। अन्य कविता पढ़ी। चिंतन कौशल विकसित हुआ। भावना प्रबंधन करना जानते हैं। विश्लेषण कौशल विकसित हुआ। ग्राह्य क्षमता विकसित हुई। कविता लिख लेते हैं। अनुच्छेद लिख लेते हैं। विपदा से भयभीत न होने का भाव आया। (अनुच्छेद के माध्यम से विचार व्यक्त किए) साहसी,सहनशील बनाने का भाव आया। संघर्षशील बनाने भाव आया।	प्रश्न अनुच्छेदसंवाद लेखन एवं पत्र

				व्यक्तित्व में क्या परिवर्तन आएगा ? (विश्लेषण) 4–. दुख के समय ईश्वर पर संशय न करने पर आपका अनुभव कैसा रहा ? (अनुप्रयोग) 5– आत्मत्राण शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में लिखिए। (विश्लेषण) **लेखन–** **गतिविधि–(4) रचनात्मक काव्य लेखन** आप ईश्वर से जो कुछ चाहते हैं,वह प्रार्थना के रूप में लिखिए।(संश्लेषण) **गतिविधि–(5) कविता सुनना** महादेवी वर्मा जी की कविता क्या पूजा क्या अर्चन रे. .. को सुनें। https://www.youtube.com/watch?v=W8Dy_HTvq **गतिविधि–(6)** (**विश्लेषण कौशल**) आत्मत्राण कविता और उपर्युक्त कविता में भिन्नता एवं समानता पर चर्चा । **गतिविधि–(7)** (**चिंतन कौशल,रचनात्मक लेखन, भावना प्रबंधन**) हिम्मत और ज़िंदगी विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। **गतिविधि–(8) ग्राह्य क्षमता** आचार्य हजारी प्रसाद व्दिवेदी का लेख आत्मनिर्भरता को शिक्षक कक्षा में सुनाकर बच्चों से अपठित रूप में प्रश्नावली हल करवाएँगे।		

दिसम्बर 22	**मधुर–मधुर मेरे दीपक जल**	काव्य विधा की जानकारी देना। ग्राह्य क्षमता विकसित करना। अनुच्छेद लेखन सौरभ,आलोकित,अपरिमित,शलभ,विपुल,अणु,मृदु,आदि नए शब्दों के अर्थ समझकर अपने शब्द भंडार में वृद्धि करना। केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखना। प्रतीकात्मक काव्य से परिचित कराना। प्रभावी संप्रेषण।	**व्यवहारिक उद्देश्य–** चिंतन कौशल विकसित करना। विश्लेषण कौशल विकसित करना। निर्णय लेना। स्वजागरुकता। संवेदनशीलता का विकास। सुरुचि निर्माण। परोपकार की की भावना जगाना। ईश्वर तक पहुँचने के लिए मानव सेवा का मार्ग अपनाना। खुद से अपेक्षाएँ करना। खुद से बतियाना अपने आपको आगाह, सचेत करना	**गतिविधि–(1)** सरल अर्थ हेतु बच्चों द्वारा समूह में प्रयास। **गतिविधि–(2)** PPT दिखाना PPT दिखाते हुए कविता की व्याख्या बच्चों के जीवन एवं समाज से जुड़े उदाहरणों द्वारा । **गतिविधि–(3)** ब्लूम्स प्रश्नावली के आधार पर पाठ के बीच में कुछ प्रश्न एवं चर्चा । 1–कवयित्री किससे और क्या अपेक्षा कर रही हैं ? (अवबोध) 2–कवयित्री किन्हें अपना आदर्श मानती हैं और क्यों ?(अवबोध,विश्लेषण) 3–कविता में व्यक्त भावों के आधार पर कवयित्री की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए।(विश्लेषण) 4– कवयित्री की तारों के बारे में जो राय है,उस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (अवबोध) 5–सागर,दीपक,बादल,तारे आदि समाज के किन लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं ? (अवबोध) **गतिविधि–(4) प्रतिकिया व्यक्त करना** (विश्लेषण,तार्किकता,मूल्यांकन, प्रभावी संप्रेषण) वर्तमान परिपेक्ष्य में कवयित्री जैसे भावों (खुद कष्ट उठाकर दूसरों की सहायता करना) की समाज में सार्थकता विषय पर **परिचर्चा** का आयोजन । **गतिविधि–(5) ग्राह्य क्षमता विकसित करना** (समभाव वाली कविता सुनना) महादेवी वर्मा जी की कविता मै नीर भरी दुख की बदरी ..... सुनें ।	अधिगम–उपलब्धि– काव्य विधा की जानकारी है। ग्राह्य क्षमता विकसित हुई। अनुच्छेद लेखन में समर्थ हैं। नए शब्दों के अर्थ समझकर शब्द भंडार में वृद्धि हुई। केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिख सकते हैं। प्रतीकात्मक काव्य से परिचित हुए। प्रभावी संप्रेषण हेतु अभ्यास किया। चिंतन कौशल विकसित हुआ। विश्लेषण कौशल विकसित हुआ। स्वजागरुकता आई। संवेदनशीलता विकसित हुई। सुरुचि निर्माण हेतु प्रयास किया गया। परोपकार की भावना जागी। ईश्वर तक पहुँचने के लिए मानव सेवा के मार्ग को सही मानते हैं । खुद से अपेक्षाएँ करते हैं। अपने आपको आगाह, सचत करने हेतु प्रयास किया।	समभाव वाली कविता सुनना, परि–चर्चा एवं प्रश्नावली

				https://www.youtube.com/watch?v=XJfP6QJAyqU **गतिविधि–(6)** (**विश्लेषण कौशल**) मधुर–मधुर मेरे दीपक जल और उपर्युक्त कविता में भिन्नता एवं समानता पर आपस में चर्चा। **गतिविधि–(7) रचनात्मक लेखन** (**चिंतन कौशल, संवेदनशीलता**) परहित सरिस धर्म नहि भाई विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। **गतिविधि–(8)** कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखना। **गतिविधि–(9) रचनात्मक लेखन** अपने आपसे बात कीजिए। अपनी आदतों–स्वभाव का विश्लेषण कीजिए, आपकी खुद से जो भी अपेक्षाएँ एक डायरी बनाकर प्रतिदिन उन्हें लिखिए तथा खुद को अच्छे काम के प्रति प्रेरित कीजिए।(विश्लेषण कौशल) (30 दिनों के लिए)		
	सपनों के से दिन	**उद्देश्य**–तार्किक क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता का विकास।प्रभावी मौखिक अभिव्यक्ति। हाव–भाव के साथ बोलना, आवाज़ का उतार–चढ़ाव, उचित विराम का प्रयोग, गति और यति के साथ वाचन, शुद्ध उच्चारण करना।	बाल मनोविज्ञान को समझना, प्राचीन शिक्षा प्रणाली से परिचित कराना।	**परिचर्चा–** वर्तमान एवं प्राचीन शिक्षा प्रणाली के गुण एवं दोष। पूरी कक्षा को पाँच या छह समूह में बाँटा जाएगा । बच्चों को विषय दिया जाएगा तथा गतिविधि की तैयारी हेतु 10 एवं प्रस्तुति के लिए 3 से 5 मिनट का समय दिया जाएगा। बच्चों एवं शिक्षिका द्वारा क्राइटेरिया के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।	अधिगम उपलब्धि – ग्राह्य क्षमता विकसित हुई। अनुच्छेद लेखन में समर्थ हैं। नए शब्दों के अर्थ समझकर शब्द भंडार में वृद्धि हुई। प्रभावी संप्रेषण हेतु अभ्यास किया।	**परिचर्चा–**

		कौशल–विचार करना अभिव्यक्ति , बोलना, सुनना।			चिंतन कौशल विकसित हुआ। विश्लेषण कौशल विकसित हुआ। कल्पनाशीलता का विकास हुआ। कहानी के उद्देश्य को जीवन में उतारना सीखा।	
जनवरी (20)	**पतझर में टूटी पत्तियाँ**	1–विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सिखाना। 2–आवाज के उतार–चढ़ाव के साथ पाठ का वाचन करना सिखाना। 3–अर्थबोध और ग्राह्य क्षमता का विकास करना। 4–एकाग्रता से सुनना और समझना। 5–शब्द भण्डार में वृद्धि । 6–कम शब्दों में अधिक बात कहने की शैली से परिचित कराना। 7–नए शब्दों का भाषा में प्रयोग करना सिखाना। 8–आशय स्पष्ट करना सिखाना 9–प्रैक्टिकल आडियालिस्ट,बखान,सूझबूझ आदि शब्दों से परिचित कराना। 10–सोना और गिन्नी का सोना के प्रतीकात्मक अर्थ से परिचित कराना ।	**व्यवहारिक उद्देश्य–** 1–संश्लेषण एवं विश्लेषण करना सिखाना। 2–समस्या समाधान निकालना सिखाना। 3–चिन्तन और मंथन करना सिखाना। 4–स्वजागरुक बनना। 5–जीवन में नैतिक मूल्यों की उपयोगिता बताना। 6–व्यावहारिकता से परिचित कराना। 7–अच्छे समाज के निर्माण में सहयोग देना।	**(आदर्श प्रश्न –Bloom's Taxonomy Based)** **गतिविधि –(1)** प्रश्न –**1** प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहते हैं ? (ज्ञानाधारित) प्रश्न –**2** शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से को गई है, क्यों ? (विश्लेषण) प्रश्न –**3** वर्तमान समय में मूल्यों की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए। (विश्लेषण) **गतिविधि –(2)** ● मूल्यों पर आधारित नारे और स्लोगन **गतिविधि –(3)** ● नुक्कड नाटक–नैतिक मूल्य। **गतिविधि –(4)** ●संवादलेखन–अच्छे व्यक्तित्व निर्माण में मूल्य अहम भूमिका निभाते हैं। इस विषय पर दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लिखिए।	1–सही विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सीखें। 2–आवाज के उतार–चढ़ाव के साथ पाठ का वाचन करना सीखें। 3–अर्थबोध और ग्राह्य क्षमता का विकास हुआ। 4–एकाग्रता से सुनना और समझना आया। 5–स्वयं के शब्द भण्डार में वृद्धि हुई। 6–कम शब्दों में अधिक बात कहने की शैली से परिचित हुए। 7–नए शब्दों का भाषा में प्रयोग करना सीखा। 8–संश्लेषण एवं विश्लेषण करना सीखा। 9–समस्या समाधान निकालना सीखा। 10–चिन्तन और मंथन करना सीखा। 11–स्वजागरुक बने। 12–जीवन में नैतिक मूल्यों की उपयोगिता जाना। 13–व्यावहारिकता से परिचित हुए।	मूल्यों पर आधारित नारे और स्लगन संवाद लेखन नुक्कड नाटक–नैतिक मूल्य व्याकरण वर्कशीट के आधार पर।

				●**परिचर्चा** –पैसों से खुशी खरीदी जा सकती है। **व्याकरण गतिविधि –** **समास विग्रह कर समास का नाम लिखें** – माता–पिता, रात–दिन, देश–विदेश, सुख–दुख। **वाक्य प्रयोग कीजिए** –व्यावहारिकता, आदर्श, सूझबूझ, शाश्वत और विलक्षण। **संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखें –** ●चाय तैयार हुई उसने वह प्यालों में भरी। ●बगल के कमरे में जाकर कुछ बर्तन ले आया। तौलिये से बर्तन साफ किए। ●मोहन हिन्दी पढ़ने शास्त्रीजी के यहाँ गया है। ●रीना ने पुस्तक माँगी और वह उसे मिल गई। **(मिश्र वाक्य)**		
जनवरी 20	**झेन की देन**	**विशिष्ट उद्देश्य–** 1–विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सिखाना। 2–आवाज के उतार–चढ़ाव के साथ पाठ का वाचन करना सिखाना। 3–अर्थबोध और ग्राह्य क्षमता का विकास करना। 4–एकाग्रता से सुनना और समझना। 5–शब्द भण्डार में वृद्धि । 6–कम शब्दों में अधिक बात कहने की शैली से परिचित कराना। 7–नए शब्दों का भाषा में प्रयोग करना सिखाना। 8–आशय स्पष्ट करना सिखाना	**व्यवहारिक उद्देश्य–** 1–जीवन में शांति का महत्त्व समझना। 2–विचार करना सिखाना। 3–ध्यानपूर्वक सुनना सिखाना। 4–समस्या समाधान करना सिखाना। 5–विश्लेषण करना सिखाना। 6–स्वजागरुक	**(आदर्श प्रश्न –Bloom's Taxonomy Based)** **गतिविधि –(1)** प्रश्न –**1** जापान के लोगों को कौन–सी बीमारियाँ अधिक होती है ? (ज्ञानाधारित) प्रश्न –**2** लेखक ने जापानियों के दिमाग में स्पीड का इंजन लगने की बात क्यों कही है ? (अवबोध) प्रश्न –**3** जापानी में चाय पीने की विधि को क्या कहते हैं ? (ज्ञानाधारित) प्रश्न –4 टी सेरेमनी में कितने आदमियों को प्रवेश दिया जाता था और क्यों ? (विश्लेषण) प्रश्न –5 लेखक के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा ?	**अधिगम उपलब्धि –** 1–विराम चिह्न, शुद्ध उच्चारण का प्रयोग करते हुए पढ़ना सीखा। 2–आवाज के उतार–चढ़ाव के साथ पाठ का वाचन करना सीखा। 3–अर्थबोध और ग्राह्य क्षमता का विकास हुआ। 4–एकाग्रता से सुनना और समझना सीखा। 5–शब्द भण्डार में वृद्धि हुई। 6–कम शब्दों में अधिक बात कहने की शैली से परिचित हुए। 7–नए शब्दों का भाषा में प्रयोग	संवाद लेखन, सूचना लेखन एवं अनुच्छेद लेखन

			बनना। 7–सही और गलत का निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना। 8–मानसिक शांति एवं उसके लाभ को समझना। 9–जीवन शैली को अनुशासित करना सिखाना। 10–वास्तविक जीवन जीने की प्रेरणा। 11–अति सर्वत्र वर्जयते।	स्पष्ट कीजिए। (विश्लेषण) प्रश्न –6 लेखक के मित्र ने मानसिक रोग के क्या–क्या कारण बताए ? क्या आप इन कारणों से सहमत हैं ? ऐसे लोगों की समस्या के समाधान के लिए आप क्या सुझाव देगें ?(विश्लेषण) **गतिविधि –(2)** ● बच्चों से कक्षा में 3 मिनट का **ध्यान** करवाया जाएगा और उनके अनुभव लिखने को कहा जाएगा। **गतिविधि –(3)** ● अनुच्छेद लेखन – अति सर्वत्र वर्जयते। **गतिविधि –(4)** ●**संवादलेखन**–मानसिक शांति शरीर के विकारों को दूर करने की अच्छी औषधि है। इस संबंध में दो मित्रों के बीच हुए संवाद को लिखिए। ●**सूचना** –विद्यालय परिसर में ध्यान शिविर में भाग लेने हेतु सूचना। **व्याकरण गतिविधि –** **समास विग्रह कर समास का नाम लिखें** – माता–पिता, रात–दिन, देश–विदेश, सुख–दुख। **वाक्य प्रयोग कीजिए** –व्यावहारिकता, आदर्श, सूझबूझ, शाश्वत और विलक्षण। **मिश्र वाक्य में बदलकर लिखें** – ●शीला बाजार गई और पुस्तक खरीद लाई। ●सभा समाप्त हुई और सब लोग घर चले गए। ●वह अपराधी था इसलिए उसे सजा मिली। **पठित गद्यांश** – अक्सर हम या तो गुजरे हुए दिनों की	करना सीखा। 8–आशय स्पष्ट करना सीखा। 9–जीवन में शांति का महत्त्व समझा। 10–विचार करना आया। 11–ध्यानपूर्वक सुनना सीखा। 12–समस्या समाधान करना सीखा। 13–विश्लेषण करना सीखा। 14–स्वजागरुक बने। 15–सही और गलत का निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ। 16–मानसिक शांति एवं उसके लाभ को समझे। 17–जीवन शैली को अनुशासित करना सीखा। 18–अति सर्वत्र वर्जयते। इस बात से परिचित हुए।	

				खट्टी–मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या है। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वहीं सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय–पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था। जीना किसे कहते हैं, उस दिन मालूम हुआ। झेन परम्परा की यह बड़ी देन मिली है जापानीयों को। **प्रश्न–1** पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए। **प्रश्न–2** जापानीयों को झेन परम्परा की कौन–सी देन मिली है ? **प्रश्न–3** लेखक ने वर्तमान काल को सत्य क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए।		
	कारतूस	**विशिष्ट उद्देश्य–** साहित्य की गद्य विधा एकांकी की जानकारी देना। मुहावरों का सटीक प्रयोग। एकांकी नाटक की जानकारी। अर्थ बोध समाचार लिखना। काव्य रचना।	**व्यवहारिक उद्देश्य–** देश के प्रति कर्तव्य बोध निर्भय बनाना। सकारात्मक वातावरण बनाना। अंजान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति सम्मान का भाव जगाना। स्वजागरुकता । चरित्र चित्रण करना। रचनात्मक चिंतन विकसित करना।	**गतिविधि–(1)** बच्चों द्वारा एकांकी का वाचन संवाद रूप में, उचित आरोह– अवरोह के साथ। व्याख्या, समाज एवं बच्चों के जीवन से जुड़े उदाहरण, संवाद एवं चर्चा। **गतिविधि–(2)** ब्लूम्स प्रश्नावली के आधार पर पाठ के बीच में कुछ प्रश्न एवं चर्चा 1-कैसे कह सकते हो कि पूरे हिंदुस्तान में आज़ादी की लहर दौड़ रही थी?**(अवबोध)** 2–वज़ीर अली की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।**(विश्लेषण)** 3– सआदत अली को गद्दी पर बिठाने का क्या कारण हो सकता है ?**(अवबोध)** 4–आप वज़ीर अली की किस बात को अपने जीवन में उतारना चाहेंगे और क्यों ?**(अनुप्रयोग)** **गतिविधि–(3) रचनात्मक लेखन** आपने झाँसी की रानी कविता पढ़ी है, उसे ध्यान में रखकर, वज़ीर अली के साहसपूर्ण कारनामों का वर्णन करते हुए एक कविता लिखिए।**(संस्लेषण)** **गतिविधि–(4)** पूरे पाठ से मुख्य एवं विस्तार समाचार बनाइए।**(संस्लेषण)** **गतिविधि–(5)** युवाओं को देश के प्रति कर्तव्यों का बोध कराते हुए संपादक के नाम पत्र लिखिए।	**अधिगम–उपलब्धि–** साहित्य की गद्य विधा एकांकी की जानकारी है। मुहावरों का सटीक प्रयोग करने में सक्षम हैं। काव्य रचना करने में सक्षम हैं। समाचार लिखने करने में सक्षम हैं। चरित्र चित्रण करने में सक्षम हैं। निडरता के महत्त्व को समझाते हैं। रचनात्मक चिंतन एवं विश्लेषण कौशल विकसित हुआ। देश के प्रति कर्तव्य बोध हुआ	संवाद लेखन, सूचना लेखन एवं अनुच्छेद लेखन, पत्र

			विश्लेषण कौशल विकसित करना।	**गतिविधि–(6)** डर के आगे जीत है विषय पर दो भाइयों के बीच हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। **व्याकरण–** **गतिविधि–(5)** मुहावरों का प्रयोग कर सार्थक वाक्य बनाएँ– आँखों में धूल झोंकना, कूट–कूटकर भरना,काम तमाम कर देना, जान बख्श देना,हक्का–बक्का रह जाना।		
	टोपी शुक्ला	**उद्देश्य–** प्रभावी लिखित अभिव्यक्ति प्रस्तुतीकरण, सृजनात्मक चिन्तन, पूर्वज्ञान का प्रयोग, नारे, स्लोगन, मुहावरे आदि। कौशल–विचार करना अभिव्यक्ति , बोलना, सुनना,लिखना।	बाल मनोविज्ञान से अवगत करवाना। साम्प्रदायिक सद्भाव से रूबरू हुए। मित्रता, जाति–पाँति और उम्र के बंधन से ऊपर है।	**अनुच्छेद लेखन** – 'मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' – सभी छात्र अपने विचार, पूर्वज्ञान एवं शब्द भण्डार का प्रयोग करते हुए अनुच्छेद लेखन करेंगे।	संश्लेषण, विश्लेषण और स्वजागरुकता के भाव आए। साम्प्रदायिक सद्भाव के लाभ को समझे। कल्पनाशीलता का विकास हुआ। संवेदनशील बने।	संवाद लेखन, एवं अनुच्छेद लेखन
	व्याकरण	**संपूर्ण व्याकरण की पुनरावृति**				